AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

Nk=kokl e Nk=kvk dh thou 'kyh o vkdk{kk Lrj ij ,d vè;;u

M,- chuk Çlg]
विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग,
पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

vt [kl]
शोधार्थी, शिक्षा विभाग,
पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

'kks/k lkj

स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षों बाद भी विद्यालय की पहुंच सभी तक नहीं है, ऐसे में छात्रावास का महत्व बहुत बढ़ जाता है। छात्रावास में रहने के दौरान छात्रों में कई तरह के बदलाव आते हैं। विद्यार्थी समय पाबंद बनते हैं एक दुसरे को देखकर आत्मविश्वासी बनते है। विद्यार्थियों के रहन–सहन में बहुत बदलाव आता है। छात्रों में सामाजिक कौशल जैसे एक दूसरे के साथ मित्रता करना प्रबंधन व नेतृत्व गुणों मे बदलाव आता है। छात्रावास में आने के बाद विद्यार्थियों से पूछा जाने वाला प्रथम व मुख्य प्रश्न होता है, बड़े होकर क्या बनना है? इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी हॉस्टल आने के पहले सोचें या नहीं पर बाद में जरूर सोचते हैं और अधिकतर की आकांक्षाओं में परिवर्तन भी देखा जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन विद्यार्थियों के जीवन कौशल में परिवर्तन व आंकाक्षा स्तर में बदलाव का पता लगाने के लिये किया गया है। इस हेतु स्वनिर्मित प्रशनावली का प्रयोग किया गया है, जिसमें जीवन कौशल व आकांक्षा स्तर मापने हेतु प्रश्न थे। यह अध्ययन 2 शासकीय व 2 अशासकीय छात्रावास में किया गया। प्रस्तुत शोध में निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि छात्रावास आने के बाद विद्यार्थियों के जीवन शैली व आकांक्षा स्तर में परिवर्तन आता, जो सही और अच्छा भी है, क्योंकि शिक्षा व्यवहार में वांछित परिवर्तन ही है, जो हमें अच्छाई की ओर ले जाये। छात्राऐं जितनी शिक्षित होंगी उनकी जीवन शैली अच्छी व आकांक्षा स्तर ऊंचा होगा। वे उतनी ही सशक्त नागरिक बनेगी जिससे हमारे देश का विकास होगा।

e[; 'kCn

thou 'kyh] vkdk{kk Lrj] f'k{kk] Nk=kokl·

çLrkouk

आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है। सभी गुणों का सिर्फ होना ही काफी नहीं है वरन् उनका उत्तम रूप से प्रदर्शन भी जरुरी है। ''जो दिखता है वो बिकता है'' कहने सुनने में ये शब्द बहुत हल्के लगते है, पर हम इनकी यथार्थता से पीछे नहीं हट सकते। यदि हम बात करें किसी नौकरी हेतु साक्षात्कार की, तो हो सकता है, कुछ प्रतिभागी समान बौद्धिक कुशलता वाले हों पर जिसकी जीवन शैली जितनी अच्छा होगी उसका प्रदर्शन अच्छा होकर साक्षात्कार में उसके चयन की संभावना बढ़ जाती है।

जीवन को बेहतर ढ़ंग से जीने और सहारा देने के लिये शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। यह देखा गया है कि जीवन शैली बुनियादी कामकाज और क्षमताओं के बीच की खाई को कम करता है। प्रत्येक माता–पिता चाहते हैं, कि उनके बच्चे जीवन में बहुत तरक्की करें। आज माता–पिता लड़कों के साथ–साथ लड़कियों की भी शिक्षा के लिये लालायित

हैं, जिसमें छात्रावास बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छात्रावास छात्राओं में जीवन शैली का विकास करते हैं। जीवन में आकांक्षा स्तर का विकास भी छात्रावास करते हैं।

thou 'kyh

हर एक व्यक्ति की कोई शैली होती है कि वह कैसे काम करता है कैसे लिखता–पढ़ता है व कैसे तैयार होता है। इसी तरह की कुछ खास बातें व पहचान ही उस व्यक्ति की जीवन शैली होती है जिसके जरिये उसे जाना पहचाना जा सकता है।

'kf{kd vkdk{kk dk Lrj

विद्यार्थियों के संज्ञात्मक विकास के साथ–साथ आकांक्षाओं का भी विकास होने लगता है। ये आकांक्षाएं बन जाती हैं। अतः शैक्षिक आकांक्षाएं व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। अन्य शब्दों मे शिक्षा के विषय में जानना, जानने की इच्छा रखना शिक्षा के स्वरूप को समझना तथा उसके प्रति रूचि अभिवृत्ति और शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा ही शैक्षिक आकांक्षा है। प्रायः छात्र व छात्राऐं जिन वस्तुओं की इच्छा रखते हैं, वही उन्हे प्राप्त होती हैं। बालक के मन में पहले से इच्छा आती है, जो बाद में आकांक्षा के रूप में परिवर्तित हो जाते हैं। इस प्रकार शिक्षा को जानना पहचानना एवं प्राप्त करने की इच्छा रखना ही शैक्षिक आकांक्षा है।

lacfèkr 'kkèk vè;;u

डॉ. कविता मित्तल, (2017) के अनुसार एक व्यक्ति जिस तरह से जीवन जीता है, उनका सीधा प्रभाव उसकी योग्यताओं एवं क्षमताओं पर पड़ता है, जिसके आधार पर वह जीवन में सफलता व संतुष्टि प्राप्त है। वानी एम. व लक्ष्मी डी (2013) अ क्रोस कल्चरल लाइफ स्टाइल ऑफ कॉलेज स्टूडेन्ट्स विषय पर शोध किया। इस अध्ययन के उद्देश्य थे, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों की जीवनशैली के बारे क्षेत्र व लिंग के आधार पर जीवनशैली का अध्ययन करना। निष्कर्ष में पाया गया कि छत्तीसगढ़ में रहने वाले कॉलेज विद्यार्थियों की जीवनशैली प. बंगाल के विद्यार्थियों की तुलना में बेहतर थी। बंसल व कृष्णपाल (2015) उ. प्र. मा. शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रां के शैक्षिक व्यावसायिक आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया। उ. प्र. मा. शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक व्यावसायिक आकांक्षा स्तरके छात्रों के आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। सक्सेना (2014) ने माध्यमिक स्तर के अनुसूचित जाति वर्ग और अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर का अध्ययन किया शोध से निम्न निष्कर्ष प्राप्त किये– अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इसी प्रकार अनुसूचित जाति वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों के आकांक्षा स्तर में भी सार्थक अंतर नहीं पाया गया। भाटिया व चौधरी (2013) उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा आकांक्षा स्तर का पूर्णात्मक अध्ययन किया व दोनों के आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। शर्मा (2012) ने ए स्टडी आफ द इफेक्ट आफ पैटरनल इन्वाल्वमेंट एण्ड एसप्रेसन पर शोधकर्ता ने कक्षा 11 एवं 12 के 310 विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों पर अध्ययन किया। सांख्यिकी गणनोपरांत निष्कर्ष पाया गया– कि उच्च, मध्य एवं निम्न समूह वर्ग के अभिभावकों की शैक्षिक आकांक्षा से संबंधित छात्रों की उपलब्धि में भिन्नता पायी गई तथा उच्च अभिभावक सन्नदता की व्यावसायिक आकांक्षा अधिक पायी गई। सिंह (2012) ने स्नातक स्तर के कला वर्ग, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के विधार्थियों की जीविका वरीयता, समायोजन तथा आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया। स्नातक स्तर के कला तथा विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर में सार्थक अन्तर पाया गया।

mís';

1. छात्रावासीय जीवन शैली का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. छात्रावास की छात्राओं की आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।

ifjdYiuk,¡

H_1 शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं जीवन शैली में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

H_2 शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

'kkèk dh ifjlhek,¡

किसी भी शोध में साधनों समय और शक्ति के सीमित होने के कारण विशयों के सभी पक्षों का गहन और सर्वांगीण अध्ययन करना कठिन होता है यह अध्ययन भी इसका अपवाद नहीं है। अतः इस शोध अध्ययन में निम्नलिखित सीमाएं रखी गयी हैं:

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन छात्रावास की छात्राओं तक सीमित है।
2. शासकीय छात्रावास में राज्य शासन द्वारा शासित विद्यालयों के छात्रावास हैं।
3. निजी छात्रावास में भी शासकीय छात्रावास के समकक्ष विद्यालयों के छात्रावासों का चयन किया गया है, इंटरनेशनल स्कूल जैसे छात्रावासों का चयन नहीं किया गया है।
4. यह शोध कोरबा जिले के कोरबा ब्लॉक में स्थित एक शासकीय व एक अशासकीय छात्रावास तक सीमित है।

U;kn'kZ

प्रस्तुत शोध कार्य की जनसंख्या के रूप में शासकीय एवं अशासकीय छात्रावास की छात्राओं में से दो छात्रावास के 20–20 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इन 40 छात्राओं के जीवन शैली व उनकी शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन किया गया।

'kkèk e¡ ç;qä midj.k

प्रस्तुत अध्ययन में आंकड़ों के संग्रहण के लिए शोधकर्ता द्वारा इस उद्देश्य हेतु छात्रावास में छात्राओं जीवन शैली व आकांक्षा स्तर से संबंधित स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया गया।

mís'; 1% छात्रावासीय जीवन शैली का तुलनात्मक अध्ययन करना।

ifjdYiuk% शासकीय एवं अशासकीय छात्रावास की छात्राओं के जीवन शैली में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की जीवन शैली में सार्थक अंतर की सार्थकता की जांच हेतु ANOVA सांख्यिकीय विश्लेषण का चयन किया गया।

lkj.kh Øekad 1% ANOVA

Type of Hostel	Sum of Squares	df	Mean Square	F	Sig.
Between Groups	2.314	8	.289	1.166	.350
Within Groups	7.686	31	.248		
Total	10.000	39			

सार्थकता स्तर 0.5 माना गया, जिस पर F मूल्य 1.166 प्राप्त हुआ, जो कि शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की जीवन शैली में सार्थक अंतर नहीं दर्शाती है। अतः हमारी परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

mís'; 2% छात्रावास में छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना।

ifjdYiuk% शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर की सार्थकता की जांच हेतु ANOVA सांख्यिकीय विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

lkj.kh Øekd 1% Eatotal

	Sum of Squares	df	Mean Square	F	Sig.
Between Groups	4.900	1	4.900	1.538	.223
Within Groups	121.100	38	3.187		
Total	126.000	39			

सार्थकता स्तर 0.05 माना गया, जिस पर F मूल्य 1.538 प्राप्त हुआ, जो कि शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर नहीं दिखाती है। अतः हमारी परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

fu"d"k

शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की जीवन शैली में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, जिसके पीछे कारण यह हो सकता है कि शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की सामाजिक, आर्थिक स्थिति एक जैसी है। छात्रावास का वातावरण व उनकी अध्ययन की माध्यम व मण्डल भी एक ही था। इन्हीं कारणों से शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की जीवन शैली में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

शासकीय व अशासकीय छात्रावास की छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इसके पीछे कारण समान सामाजिक आर्थिक वातावरण का होना हो सकता है। समान प्रेरणा की वजह से उनकी शैक्षिक आकांक्षा समान पायी गई अतः शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

lanHkZ lwph

1. बंसल, सु. व कृष्णपाल, (2015). उ.प्र.मा.शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रां के शैक्षिक व्यावसायिक आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड साइंस रिसर्च,* 2 (3), 101–104.
2. भाटिया, अं. व चौधरी, इं. (2013). उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा आकांक्षा स्तर का पूर्णात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल एजुकेशनल ई–जर्नल,* 2 (1), 55–62.
3. मित्तल, के. एवं यतेन्द, कु. (2017). उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की जीवन शैली का अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अप्लाड रिसर्च,* 3 (7), 137–140.
4. सक्सेना, वी. (2014). माध्यमिक स्तर के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के आत्म–प्रत्यय, आकांक्षा स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन (अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, शिक्षा शास्त्र). महात्मा ज्योतिबाफुले रूहेलखण्ड, विश्वविद्यालय, बरेली. Retrieved from http:// Sodhganga@infibiable.net.in
5. शर्मा, ए. के. (2012). उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की बुद्धिलब्धि, शैक्षिक रूचि, आकांक्षा स्तर एवं पारिवारिक सम्बन्धों से शैक्षिक उपलब्धि का सम्बन्धः एक तुलनात्मक अध्ययन (अप्रकाशित शोध–प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र). छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर.
6. सिंह, आर. बी. (2012). स्नातक के कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के विधार्थियों की जीविका वरीयता, समायोजन तथा आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन (अप्रकाशित शोध–प्रबन्ध, शिक्षा). महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलण्ड विश्वविद्यालय, बरेली. Retrieved from http:// Sodhganga@infibiable.net.in.
7. वानी, एम., लक्ष्मी डी. (2013). क्रॉसकल्चरल स्टडी ऑफ लाइफ स्टाइल ऑफ कालेज स्टूडेंट्स, *जरनल ऑफ कम्यूनिटी गाइडेंस एण्ड रिसर्च,* 30 (2). 146-149.

––==00==––